Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2018 = 6.371, www.srjis.com
PEER REVIEWED JOURNAL, NOV-DEC, 2018, VOL- 6/48

महिलाओं में जीवन साथी चुनाव के प्रति दृष्टिकोंण पर आधुनिकता का प्रभाव

चन्द्रपाल, Ph. D.

एसोसिएट प्रो0, समाजशास्त्र विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, झॉसी

Abstract

जीवन साथी चुनाव के प्रति दृष्टिकोंण पर आधुनिकीकरण के सामाजिक प्रभावों का अध्ययन करने के लिए महिलाओं के पारम्परिक कार्यों में कमी परिवारों के दैनिक कार्यों में यांत्रिकी का प्रयोग, सामाजिक प्रस्थिति पर प्रभाव, समाज में पुरूषों के समान अधिकार एवं दर्जा, कर्ता की शक्ति का ह्रास, महिलाओं के प्रति बुजुर्गों की बदलते दृष्टिकोण, महिलाओं की दैनिक भूमिका पर आधुनिकीकरण का प्रभाव, पेंशन तथा परिवर्तित जीवन शैली पारम्परिक संस्कारों के प्रति बदलती मनोवृत्तियां, सामाजिक समारोहों के प्रति रूझान तथा मनाने की विधियों में परिवर्तन, क्लबों आदि में भागीदारी, नियोजित परिवार के प्रति रूझान तथा जागरूकता, परिवारों को नियोजित करने हेतु परिवार कल्याण साधनों का प्रयोग, कम सन्तान में विश्वास, पुत्र की अनिवार्यता पर बल नहीं, अन्ध विश्वास व रूढ़िवादी विचारधारा का अन्त तथा महिलाओं में सुझाव देने की प्रवृत्ति, मनोरंजन की बदलती हुई शैली तथा मनोरंजनार्थ विविध साधनों का प्रयोग, राजनीति के प्रति बदलती मनोवृत्ति एवं राजनीति में सहभागिता, सामाजिक विधानों के प्रति जागरूकता तथा आधुनिकीकरण के सामाजिक प्रभावों के प्रति महिला सूचनादाताओं के दृष्टिकोण इत्यादि प्रकरणों को चुना गया है।

पारिभाषिक शब्दावली : *सामाजिक पविर्तन, जीवन साथी, आधुनिकता, दृष्टिकोंण।*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

समस्या–निरूपण : आधुनिकीकरण के प्रभाव ने महिलाओं के परम्परागत कार्यों में कमी की है। प्राचीन समय में महिलाओं को विशुद्ध गृहणी की संज्ञा प्रदान की जाती थी। वे समस्त घरेलू कार्यों को कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व पूर्ण ढंग से करते हुए घर से बाहर के कृ ा कार्यों में भी कन्धे से कन्धा मिलाकर सहयोग प्रदान करती थी। नित्य प्रति हाथ की चक्की चलाकर आटा पीसना, भोजन पानी की व्यवस्था करना, घर से बाहर काम पर गए हुए व्यक्ति को समय से भोजन पहुंचाना, घर के समस्त काम–काज करते हुए, बच्चों के लालन पालन करना, सास ससुर की सेवा करते हुए पति की सेवा सुश्रूषा करना अपना अधिकार तथा गौरव समझती थी, साथ ही अत्यन्त मर्यादित रहते हुए घर की चाहरदीवारी के अन्तर्गत विशुद्ध ग्रहणी बनकर जीवनयापन करती थी। यदि उन परस्थितियों में उन्हें 'कोल्हू के बैल' की संज्ञा दे दी जाय तो भी कोई अत्योक्ति न होगी। आज आधुनिकीकरण के प्रभाव ने परिस्थिति तथा महिलाओं की दशाओं को समूल परिवर्तित कर दिया है। कार्यों के करने की शैली, तौर तरीके प्राचीन, रूढ़िवादी तथा पारम्परिक न होकर आधुनिक हो गए हैं। जीवन साथी चुनाव के प्रति मीलाओं केदृष्टिकोंण पर आधुनिकीकरण के सामाजिक प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित है।

अध्ययन का उद्देश्य :

अध्ययन के मुख्य एवं पूरक उद्देश्य निम्नवत् निर्धारित किए गये हैं–

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

(1) न्यादशों कीं वैचारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करना ।

(2) न्यादशों काजीवन साथी चुनाव के प्रति दृष्टिकोंण का अध्ययन करना।

(3) आधुनिकता के सामाजिक प्रभावों का अध्ययन करना।

शोध–पद्धतिशास्त्र (अध्ययन का क्षेत्र, न्यादर्श, पद्धति तथा प्रविधियाँ) :

अध्ययन का समग्र :

अध्ययन का क्षेत्र/समग्र शोध ग्वलियर (म0 प्र0) जिला चुना गया है ।

न्यादर्श तथा न्यादर्शों का चयन :

अनुसंधित्सु ने ग्वलियर (म0 प्र0) नगर की 500 महिलाओं का चयन अध्ययनार्थ किया है।

अध्ययन की पद्धति एवं प्रविधियाँ :

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु प्रमुख पद्धति के रूप में ''साक्षात्कार अनुसूची'' प्रकरणतः निर्मित करके सूचनादाताओं से आमने–सामने की स्थिति में 'व्यक्तिगत साक्षात्कार' सम्पन्न करते हुए 'अवलोकन' प्रविधि से प्राथमिक तथ्य संकलित गए हैं। तथा न्यादर्शों की मनोवृत्तियाँ जानने के लिए मनोवृत्ति मापकों यथा– लिकर्ट एवं थर्सटन को अपनाया गया है। द्वितीयक तथ्यों का संकलन पंचायत कार्यालयों के अभिलेखों, सचिवों तथा समाचार–पत्र, पत्रिकाओं द्वारा करके तत्पश्चात् मास्टरशीट का निर्माण कर प्राथमिक तथा द्वैतीयक आँकड़ों से सांख्यकीय गणनाएं करके तथ्यपरक निष्कर्ष स्थापित किए गए हैं। इस प्रकार प्रस्तुत शोध अध्ययन ''एक सूक्ष्म आनुभविक अध्ययन'' (Micro Empirical Study) है। शोध अध्ययन की प्रकृति 'वर्णनात्मक' है।

विवेचना एवं निष्कर्षः

तालिका नं. (1) : आधुनिकीकरण के प्रभाव के कारण महिलाओं के जीवन साथी चयन परम्परागत चयन में कमी के प्रति सूचनादाताओं के दृष्टिकोण

क्रमांक	सूचनादाताओं के दृष्टिकोण	आवृत्ति
1	आधुनिकताा ने पारम्परिक चयन में कमी की है	397
2	आधुनिकता ने पारम्परिक चयन में कमी नहीं की है	31
3	उदासीन प्रत्युत्तर	67
4	उत्तर प्रदान नहीं किए	05
	योग	500

उपर्युक्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि सर्वेक्षित 500 महिला सूचनादाताओं में से 397(79.4 प्रतिशत) ने पक्ष में, 31(6.20 प्रतिशत) ने विपक्ष में, 67(13.40 प्रतिशत) ने उदासीन उत्तर प्रदान किए हैं तथा 5(1 प्रतिशत) सूचनादाताओं ने किसी भी प्रकार का प्रत्युत्तर प्रदान नहीं किया है।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका नं. (2) : जीवन साथी के प्रति उदासीनता तथा उत्तरदायित्वों के निर्वाह में कमी के सम्बन्ध में निदर्शित के दृष्टिकोण

क्रम	महिलाओं के व्यवहारों पर प्रभाव	आवृत्ति	प्रतिशत
1	आधुनिकीकरण का प्रभाव	393	78.60
2	समय परिवर्तन का प्रभाव	101	20.20
3	अन्य कारण (यदि कोई हो)	06	01.20
	योग	500	100.00

उपरोक्त तालिका के तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि सर्वेक्षित 500 महिला सूचनादाताओं में से 393(78.6 प्रतिशत) ने महिलाओं द्वारा कर्तव्य परिपालन के प्रति उदासीनता तथा उत्तरदायित्वों के निर्वाह में कमी के सम्बन्ध में पक्ष में मत स्पष्ट किए हैं। स्पष्टतः महिलाओं की जीवन साथी चयन की मनोवृत्ति पर आधुनिकीकरण का प्रभाव परिलक्षित होता हैं

है। निम्न तालिका नं. (3) कुल 500 महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति के सन्दर्भ में निदर्शितों के दृष्टिकोणों पर प्रभाव डालती है–

तालिका नं. (3) : जीवन साथी चयन के बदलते प्रतिमानों से महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति पर आधुनिकीकरण के द्वारा पड़ने वाले प्रभाव के प्रति दृष्टिकोण

क्रम	प्रभाव के प्रति दृष्टिकोण	आवृत्ति	प्रतिशत
1	सकारात्मक	305	61.00
2	(सुधारात्मक)	39	07.80
3	नकारात्मक	47	09.40
4	उदासीन	09	01.80
	योग	500	100.00

उपरोक्त तालिका के तथ्य यह स्पष्ट करते हैं कि निदर्शित 500 महिलाओं में से 305(61 प्रतिशत) महिलाएं इस बात की पक्षधर तथ्ज्ञा सहमत हैं कि आधुनिकीकरण के प्रभाव से ग्रामीण अंचलों की महिलाओं की मनोवृत्तियां परिवर्तित हुई हैं जिससे उनकी सामाजिक प्रस्थिति पर सुधारात्मक प्रभाव पड़ा है।

निम्न तालिका सर्वेक्षित महिलाओं पर सामाजिक विधानों द्वारा उनकी प्रस्थिति के प्रति पड़ने वाले प्रभावों पर संक्षिप्त प्रकाश डालती है–

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका नं. (4) : जीवन साथी चयन के बदलते प्रतिमानों पर सामाजिक विधानों का महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति सूचनादाताओं के अभिमत

क्रम	सूचनादाताओं के अभिमत	आवृत्तियाँ	
		समान दर्जा	समान अधिकार
1	पक्ष में	412(82.40)	383(76.60)
2	विपक्ष में	36(7.20)	5(1.00)
3	उदासीन	2(0.40)	112(22.40)
	योग	500(100.00)	500(100.00)

उपरोक्त तालिका के तथ्यों से स्पष्ट है कि सर्वेक्षित 500 ग्रामीण महिलाओं में से समाज में महिलाओं को समान दर्जा मिलने के सन्दर्भ में 412(82.40 प्रतिशत) ने पक्ष में 36(7.20 प्रतिशत) ने विपक्ष में और 2(0. 40 प्रतिशत) ने उदासीन मत व्यक्त किए हैं जबकि समान अधिकार के प्रति 500 निदर्शितों में से 383(76.60 प्रतिशत) ने पक्ष में 5(1 प्रतिशत) ने विपक्ष में तथा 112(22.40 प्रतिशत) ने तटस्थ दृष्टिकोण दर्शाये हैं। परन्तु प्रतिशतता की दृष्टि से विचार करने पर स्पष्ट होता है कि 79 प्रतिशत महिलाएं पुरूषों के समान समाज में दर्जा तथा अधिकार मिलना चाहिए; की पक्षधर पायी गयी हैं।

है। निम्न तालिका नारी की सकारात्मक बदलती हुई दशाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालती है–

तालिका नं. (5) : जीवन साथी चयन के बदलते प्रतिमानों का महिलाओं की प्रस्थिति पर धनात्मक प्रभाव

क्रम	महिलाओं की प्रस्थिति पर प्रभाव	आवृत्तियाँ (अभिमत)			योग
		पक्ष में	विपक्ष में	तटस्थ	
1	सामाजिक विधानों का सामाजिक मनोवैज्ञानिक प्रभाव	313 (62.60)	187 (37.40)	–– (00.00)	500 (100.00)
2	व्यवसाय व नौकरी की ओर आकर्षण बढ़ना	310 (62.00)	10 (2.00)	180 (30.50)	500 (100.00)
3	आर्थिक स्वावलम्बन की भावना जागृत होना	500 (100.0)	–– (00.00)	–– (00.00)	500 (100.00)
4	अपना मनचाहा व्यवसाय करने की भावना	185 (37.00)	115 (23.00)	200 (40.00)	500 (100.00)
5	राजनीति में सहभागिता एवं समान दर्जा की भावना	186 (37.20)	247 (49.40)	67 (13.40)	500 (100.00)
6	शैक्षिक स्तरों में उन्नयन की भावना	500 (100.0)	–– (00.00)	–– (00.00)	500 (100.00)
7	व्यय हेतु पुरूषों के अधीनस्थ न रहने की भावना	104 (20.80)	175 (35.00)	231 (46.20)	500 (100.00)
8	आत्म त्याग एवं आत्म सन्तुष्टि की भावना	17 (3.40)	93 (18.60)	390 (78.00)	500 (100.00)
9	शोषण तथा उत्पीड़न के प्रति जागरूकता की भावना	500 (100.0)	–– (00.00)	–– (00.00)	500 (100.00)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि शतप्रतिशत महिला सूचनादाताएं अधिक स्वावलम्बन शैक्षिक स्तर में उन्नयन, और शोषण व उत्पीड़न के प्रति पूर्णतः जागरूक हैं, 62 प्रतिशत महिलाएं सामाजिक

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विधानों के सामाजिक–मनोवैज्ञानिक प्रभावों, व्यवसाय व नौकरी के प्रति आक ाण रखती हैं, 37 प्रतिशत में मनचाहा व्यवसाय करने की प्रवृत्ति, 37.20 प्रतिशत में राजनैतिक सहभागिता तथा राजनीति में समान दर्जा की भावना, 20.80 प्रतिशत ने व्यय हेतु पुरूषों पर आश्रित न रहने की भावना तथा 3.40 प्रतिशत में आत्म त्याग व आत्म संतुष्टि की भावना बलवती पायी गयी है।

तालिका नं. (6) : जीवन साथी चयन के बदलते प्रतिमानों का महिलाओं की प्रस्थिति पर ऋणात्मकप्रभाव

क्रम	आधुनिकता के प्रभाव	आवृत्तियाँ		योग
		पक्ष में	विपक्ष में	
1	अपराधों में वृद्धि	323 (64.60)	177 (35.40)	500 (100.00)
2	नैतिक मूल्यों का ह्रास	402 (80.40)	98 (19.60)	500 (100.00)
3	पारिवारिक विघटन	300 (60.00)	200 (40.00)	500 (100.00)
4	रूढ़िवादिता में कमी	211 (42.20)	289 (57.80)	500 (100.00)
5	यौन विकृति तथा चारित्रिक पतन	273 (54.60)	227 (45.40)	500 (100.00)
6	मादक पदार्थों के सेवन में वृद्धि	359 (71.80)	141 (28.20)	500 (100.00)
7	भौतिकवादिता में वृद्धि	500 (100.0)	–– (00.00)	500 (100.00)
8	मंहगाई में वृद्धि आदि	500 (100.0)	–– (00.00)	500 (100.00)

(नोट– कोष्ठक के आंकड़े प्रतिशत दर्शाते हैं)

तालिका नं. (7) :: जीवन साथी चयन के बदलते प्रतिमानों के कारण महिलाओं की प्रस्थिति में सामाजिक परिवर्तन

क्रम	परिवर्तन	आवृति		प्रतिशत		योग
		हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	
1	विवाह प्रतिमान बदल गए हैं	406	94	81.20	18.80	500
2	जीवन साथी चुनने में हस्तक्षेप बढ़ा है	500	––	100.00	––	500
3	प्रेम तथा अन्तरजातीय विवाह आधुनिकीकरण की देन है	500	––	100.00	––	500
4	विधवा पुनर्विवाहों का प्रचलन	300	200	60.00	40.00	500
5	धन व दहेज की विवाहों में प्रवृति बढ़ी है	500	––	100.00	––	500
6	विवाह विच्छेदों की दर बढ़ी है	500	––	100.00	––	500
7	परिवारों में तनाव जनित हुए हैं	500	––	100.00	––	500
8	आवश्यकताएं तथा आकांक्षाएं बढ़ी हैं	397	103	79.40	20.60	500
9	शिक्षित महिलाओं में पारिवारिक सामंजस्य, आत्म निर्भर बनने, व्यवसाय की ओर रूझान हुआ है	500	––	100.00	––	500

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

संदर्भः

शर्मा डी.डी .; सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन, साहित्य भवन, हास्पीटल रोड, आगरा, 1986, 185

Cassen R.H. ; Indian Population, Economy and Society (1982:20) Mc-millan and Co., The English Book Society has stated that, "The most successful technique of the family planning programme in India, from many points of view, has been the condom. It has not had harmful effects ascribe to it and the number of users rose continuously until 1973-74 at least".

कपाड़िया के.एम. ; मैरिज एण्ड फैमिली इन इण्डिया, दिल्ली मोतीलाल बनारसीदास, 1977, पृष्ठ 47

महाजन के.पी. ; महिला शिक्षा एवं ग्रामीण विकास, (प्रकाशित शोध प्रबन्ध) क्लासिक पब्लिसिंग हाउस, 1985, पृष्ठ 300

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies